Chapter- 13

सूरज

STUDY NOTES

विषय सारांश:

आसमान से प्रात: आकर,
हमको नित्य जगाता सूरज।
कभी न यह पथ पर है रुकता,
आगे बढ़ता जाता सूरज ।।

अर्थ: सूरज रोज़ सुबह नभ में निकलता और हमें जगाता है। यह कभी नहीं रुकता और हमेशा आगे बढ़ता रहता है।

भीषण आग उगलता रहता,
जब गरमी में आता सूरज।
लू के गरम थपेड़े देता,
रहम न कुछ दिखलाता सूरज ।।

अर्थ: गरमी के दिनों में सूरज की गरमी बहुत ज्यादा होती है और गरम हवा हमारे शरीर को आघात पहुँचाती है।

वर्षा में चुपके – से आकर,
इंद्रधनुष है लाता सूरज।
लुका-छिपी बादल से करता,
रूप अनेक दिखाता सूरज ।।

अर्थ: वर्षा के बाद जब बादलों से छुप-छुप कर सूरज निकलता है, तब आसमान में हमें सतरंगी इंद्रधनुष देखने को मिलता है।

लेकिन जब सरदी में आता,
सबको खुश कर जाता सूरज।
पर होता दुख मन में भारी,
जब जल्दी छिप जाता सूरज ।।

अर्थ: सरदियों के दिनों में सूरज के निकलते ही सब खुश हो जाते हैं, लेकिन जब सूरज अस्त होने लगता है, सभी दुखी हो जाते हैं।

बारी-बारी से छः ऋतुएँ
इस धरती पर लाता सूरज।
सुख-दुख रहते साथ बराबर,
हरदम यही बताता सूरज ।।

अर्थ: सूरज के कारण इस धरती पर एक के बाद एक छः ऋतुएँ आती हैं। सूरज हमें यही बताता है सुख और दुख हमेशा साथ रहते हैं।

-प्रेम नारायण गौड़

सीख: सूरज हमें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सूर्यास्त सिखाता है कि आज भले ही अंत हो चुका है पर नयी शुरूआत हो सकती है। सूरज हमें हर परिस्थिति का सामना करना सिखाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

नए शब्द और उनके अर्थ-

प्रातः	-	भोर
नित्य	-	सदा
पथ	-	राह
भीषण	-	भयंकर
थपेड़े	-	आघात
वर्षा	-	बारिश
खुश	-	प्रसन्न

जल्दी - तेज़ी से

ऋतुएँ - प्राकृतिक अवस्थाओं के अनुसार वातावरण में होने वाले परिवर्तन

अभ्यास कार्य

लिखित-

१. निम्नलिखित काव्य- पंक्तियों को पूरा कीजिए।

क) आसमान से प्रात: आकर
हमको नित्य जगाता सूरज।

ख) भीषण आग उगलता रहता,
जब गरमी में आता सूरज।

ग) वर्षा में चुपके – से आकर,
इंद्रधनुष है लाता सूरज।

घ) सुख-दुख रहते साथ बराबर,
हरदम यही बताता सूरज।

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) कौन हमें रोज़ जगाता है?
उ: हमें रोज़ सूरज जगाता है।

ख) सूरज भीषण आग कब उगलता है?
उ: सूरज भीषण आग गरमी में उगलता है।

ग) वर्षा में सूरज क्या लेकर आता है?
उ: वर्षा में सूरज इंद्रधनुष लेकर आता है।

घ) इस धरती पर बारी-बारी से कितनी ऋतुएँ आती हैं?
उ: इस धरती पर बारी-बारी से छ: ऋतुएँ आती हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

भाषा-ज्ञान :

१. सही मिलान कीजिए।

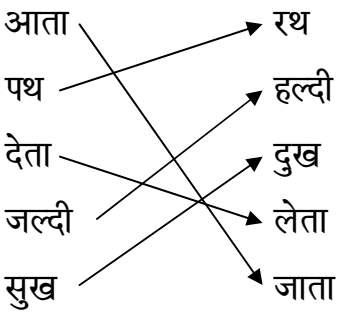

२. छः ऋतुओं के नाम लिखिए।

वसंत ऋतु	वर्षा ऋतु	हेमंत ऋतु
ग्रीष्म ऋतु	शरद ऋतु	शीत ऋतु

३. दिए गए शब्दों के दो-दो समानार्थक शब्द लिखिए।

क)	आसमान	-	नभ	गगन
ख)	सूरज	-	रवि	सूर्य
ग)	खुश	-	आनंद	हर्षित
घ)	धरती	-	धरा	भूमि
ङ)	नित्य	-	सदा	हमेशा
च)	पथ	-	राह	रास्ता
छ)	प्रातः	-	भोर	प्रभात
ज)	बादल	-	मेघ	घन
झ)	दुख	-	पीड़ा	कष्ट

◆◆◆

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow